EPCH हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
Connecting. Empowering. Transforming.

EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS

CIN: U20299DL 1986NPL023253 | GST NO. 07AAACE1747M1ZJ

ARTEFACTS

प्रेस विज्ञप्ति – चौथा दिन

हैंडीक्राफ्ट्स एक्सपो (आर्टिफैक्ट्स)-2026 का दूसरा संस्करण
ट्रेड फैसिलिटेशन सेंटर (टीएफसी), बोरानाडा, जोधपुर (राजस्थान)
15 से 19 जनवरी 2026

आर्टिफैक्ट्स-2026 में जीवंत संस्कृति व सशक्त विज़िटर इंटरैक्शन की झलक

राजस्थानी लोक नृत्य, लाइव म्यूज़िकल परफ़ॉर्मेंस और फ़ैशन शो ने जोड़ा प्रभावशाली रीजनल फ़्लेवर

जापान और नीदरलैंड्स के खरीदार एक्सपो में आए

जोधपुर, राजस्थान | 18 जनवरी 2026: एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल फॉर हैंडीक्राफ्ट्स (ईपीसीएच) द्वारा 15 से 19 जनवरी 2026 तक ट्रेड फेसीलिटेशन सेंटर (टीएफसी), बोरानाडा, जोधपुर में आयोजित हस्तशिल्प एक्सपो (आर्टिफैक्ट्स)-2026 के दूसरे संस्करण का चौथा दिन उत्साहजनक एवं ऊर्जा से भरपूर माहौल देखने को मिला। दिनभर ट्रेड विज़िटर्स की निरंतर सहभागिता, आगंतुकों की सराहना और राजस्थान की विरासत का उत्सव मनाने वाले रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम ने मेले की रौनक को और बढ़ाया।

ईपीसीएच के अध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना ने कहा, "आर्टिफैक्ट्स-2026 धीरे-धीरे एक सार्थक मार्केटप्लेस के रूप में विकसित हो रहा है, जहाँ भारत की शिल्प उत्कृष्टता को गंभीर खरीद रुचि का समर्थन मिल रहा है। जापान और नीदरलैंड्स से आए खरीदारों की उपस्थिति तथा आगंतुकों की मजबूत सराहना हमारे हस्तशिल्प क्षेत्र की वैश्विक प्रासंगिकता को पुनः स्थापित करती है। हमारा फोकस कारीगरों एवं निर्यातकों के लिए प्रत्यक्ष मार्केट लिंकेज सक्षम करने पर है, ताकि 'मैजिक ऑफ़ गिफ्टेड हैंड्स' को प्रामाणिक उत्पादों और प्रभावशाली शिल्प कथाओं के माध्यम से सामने लाया जा सके।"

श्री जसवंत सिंह बिश्नोई, पूर्व लोकसभा सदस्य, श्री रविंद्र सिंह भाटी, राजस्थान विधानसभा सदस्य (शेओ विधानसभा क्षेत्र) और श्री ओम प्रकाश, पुलिस आयुक्त (जोधपुर) ने मेले का दौरा किया और इस दौरान उन्होंने प्रदर्शकों से बातचीत की।

जापान से आए खरीदार नोज़ोमी हागा आर्टिफैक्ट्स-2026 में प्रदर्शित कारीगरी एवं उत्पाद प्रदर्शन से प्रभावित दिखे। उन्होंने कहा, "यहाँ के कलेक्शन्स में पारंपरिक तकनीकों और समकालीन डिज़ाइन का बेहतरीन मिश्रण दिखाई देता है, विशेषकर होम डेकोर और लाइफस्टाइल श्रेणियों में। मुझे क्यूरेटेड सोर्सिंग और दीर्घकालिक साझेदारियों की अच्छी संभावना दिखती है, खासकर जोधपुर के निर्माताओं के साथ।"

नीदरलैंड्स से आए खरीदार लुईस उइटरवाइक, जो होम डेकोर और वुडन फर्नीचर के क्षेत्र में कार्य करते हैं, ने कहा, "यह एक्सपो अत्यंत प्रोफेशनल सोर्सिंग वातावरण प्रदान करता है, जहाँ उत्पादों की उत्कृष्ट विविधता और स्पष्ट डिज़ाइन पहचान दिखाई देती है। यहाँ उच्च निर्यात-गुणवत्ता की कारीगरी और उत्पादों के पीछे मजबूत स्टोरीटेलिंग भी नजर आती है, जो यूरोपीय उपभोक्ताओं के लिए महत्वपूर्ण है। प्रदर्शकों के साथ हमारी चर्चाएँ भविष्य में खरीद एवं सहयोग के लिए बहुत आशाजनक रही हैं।"

विज़िटर अनुभव और सांस्कृतिक कार्यक्रम को रेखांकित करते हुए ईपीसीएच की प्रशासनिक समिति के सदस्य श्री निर्मल भंडारी ने कहा, "चौथे दिन ने आर्टिफैक्ट्स की उस भावना को खूबसूरती से प्रस्तुत किया जहाँ व्यावसायिक अवसर और सांस्कृतिक उत्सव का संगम होता है। राजस्थानी लोक नृत्य, 'मो हिट' बैंड की म्यूजिकल परफॉर्मेंस तथा 'फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एफडीडीआई)' द्वारा प्रस्तुत फैशन शो ने कार्यक्रम में प्रभावशाली क्षेत्रीय रंग जोड़ा और आगंतुकों को जोड़े रखा। यह ऊर्जा प्रदर्शकों के लिए भी सहायक है क्योंकि इससे निरंतर फुटफॉल और शेष दिनों में सार्थक खरीदार इंटरैक्शन सुनिश्चित होते हैं।"

प्लेटफॉर्म के वैल्यू-चेन दृष्टिकोण पर जोर देते हुए ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री राजेश रावत ने कहा, "चौथे दिन की प्रतिक्रिया अत्यंत उत्साहजनक रही, चाहे वह खरीदारों की गुणवत्ता हो या आगंतुकों की भागीदारी में। जापान और नीदरलैंड्स के अंतरराष्ट्रीय खरीदारों की उपस्थिति तथा मजबूत घरेलू बायर्स रुचि यह दर्शाती है कि आर्टिफैक्ट्स अपने उद्देश्य के अनुरूप एक व्यवसाय-तैयार मंच के रूप में प्रभावी ढंग से आगे बढ़ रहा है। हमें इस बात पर भी गर्व है कि हमारे 'समग्र कौशल उन्नयन कार्यक्रम (सीएसयूपी)' के अंतर्गत जैसलमेर और उदयपुर के कारीगरों को कावड़ पेंटिंग एवं एप्लीक क्राफ्ट्स में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इन प्रशिक्षित कारीगरों ने मेले का भ्रमण किया और प्रमुख निर्यातकों से संवाद कर व्यावहारिक निर्यात अनुभव प्राप्त किया, अंतरराष्ट्रीय बाजार अपेक्षाओं को समझा तथा खरीदारों की आवश्यकताओं का आकलन किया।"

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद देश से हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ावा देने और देश के शिल्प क्लस्टर्स में होम, लाइफस्टाइल, टेक्सटाइल, फर्नीचर और फैशन ज्वेलरी एवं एक्सेसरीज के उत्पादन में लगे लाखों कारीगरों और शिल्पकारों के हुनरमंद हाथों के जादू की ब्रांड इमेज बनाने के लिए एक नोडल संस्था है | साल 2024-25 के दौरान कुल हस्तशिल्प निर्यात 33,123 करोड़ रुपये (3,918 मिलियन अमेरिकी डॉलर) रहा | ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री राजेश रावत ने बताया कि साल 2024-25 के दौरान राजस्थान से हस्तशिल्प का निर्यात 6414.19 करोड़ रुपये था, इस निर्यात में जोधपुर का हिस्सा 50.19% रहा |

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:
श्री राजेश रावत, कार्यकारी निदेशक, ईपीसीएच
+91-9810423612

EPCH
हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
Connecting. Empowering. Transforming.

EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS

CIN: U20299DL 1986NPL023253 | GST NO. 07AAACE1747M1ZJ

ARTEFACTS

PRESS RELEASE – Day 4

2nd Edition of Handicrafts Expo (Artefacts)-2026

Trade Facilitation Centre (TFC), Boranada, Jodhpur (Rajasthan)
from 15th to 19th January 2026

Artefacts-2026 showcased vibrant culture, strong visitor interactions

Rajasthani Folk Dance, Live Musical Performances and Fashion Show added Powerful Regional Flavor

Buyers from Japan & The Netherlands visit the Expo

Jodhpur, Rajasthan 18th January 2026: The 2nd Edition of Handicrafts Expo (Artefacts)-2026, is being organised by the Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH) from 15th to 19th January 2026 at the Trade Facilitation Centre (TFC), Boranada, Jodhpur, witnessed an encouraging and energetic Day 4, marked by sustained trade visitors engagements, appreciative visitors response and a colourful cultural programme that celebrated Rajasthan's heritage.

Dr. Neeraj Khanna, Chairman, EPCH shared that "Artefacts-2026 is steadily evolving into a meaningful marketplace where India's craft excellence meets serious buying interest. The presence of buyers from Japan and the Netherlands, along with strong visitor appreciation, reaffirms the global relevance of our handmade sector. Our focus remains on enabling direct market linkages for artisans and exporters while celebrating the 'Magic of Gifted Hands' through authentic products and compelling craft stories."

The fair was also visited by Shri Jaswant Singh Bishnoi, former Member of the Lok Sabha, Shri Ravindra Singh Bhati, Member of Rajasthan Legislative Assembly, Sheo Constituency and Shri Om Prakash, Commissioner of Police (Jodhpur). They met with the exhibitors, visited their stalls and interacted with them.

Nozomi Haga, a buyer from Japan was impressed by the craftsmanship and product display at Artefacts-2026. "The collections here show a strong blend of heritage techniques and contemporary design,

especially in home décor and lifestyle categories. I see good potential for curated sourcing and long-term partnerships with Indian manufacturers, particularly from Jodhpur."

Louis Uiterwijk, a buyer form The Netherlands who deals in home décor and wooden furniture shared that "this expo offers a highly professional sourcing environment with excellent product variety and clear design identity. We are seeing high export quality workmanship and strong storytelling behind the products, which is important for European consumers. Our discussions with exhibitors have been very promising for future buying and collaboration."

Highlighting the visitor experience and cultural program, Shri Nirmal Bhandari, Member CoA, EPCH said that "Day 4 beautifully captured the essence of Artefacts where business opportunity blended with cultural celebration. The Rajasthani folk dances, live musical performances by MO HIT Band and the fashion show by Footwear Design & Development Institute (FDDI) added a powerful regional flavour, keeping visitors engaged. This energy on the floor directly supports exhibitors by ensuring sustained footfall and meaningful buyer interactions across the remaining days."

Underscoring the platform's value-chain approach, Shri Rajesh Rawat, Executive Director, EPCH, said, "The response on Day 4 has been very encouraging, both in terms of buyer quality and visitor engagement. International buyers from Japan and the Netherlands, coupled with strong domestic interest, shows that Artefacts is delivering on its purpose as a business-ready platform. We are also proud to highlight that our ongoing capacity-building program under Comprehensive Skill Upgradation Programme (CSUP) where artisans from Jaisalmer and Udaipur are being trained in Kavad Painting & Appliqué Crafts, visited the fair and interacted with the prominent exporters to gain practical export exposure, understand international market expectations and explore buyer requirements".

Export Promotion Council for Handicrafts is a nodal organization for promotion of exports of handicrafts from the country and create brand image of magic of the gifted hands of millions of artisans and crafts persons engaged in production of home, lifestyle, textiles, furniture, and fashion jewellery & accessories in craft clusters of the country. The overall Handicrafts exports during the year 2024-25 was Rs. 33,123 Crores (US $ 3,918 Million). The exports of handicrafts from Rajasthan during the year 2024-25 was Rs. 6414.19 crores with Jodhpur comprising share is 50.19% in exports added Shri Rajesh Rawat, Executive Director - EPCH.

For more information please contact:
Shri Rajesh Rawat, Executive Director, EPCH
+91-9810423612

Encl: Hindi & English with photos

Photo 1 & 2: Shri Jaswant Singh Bishnoi, former Member of the Lok Sabha and Shri Ravindra Singh Bhati, Member of Rajasthan Legislative Assembly, Sheo Constituency visited the fair and interacted with participants. Also seen Members CoA, EPCH Shri Nirmal Bhandari, Shri Naved Ur Rehman; Shri Radhe Shyam Ranga, Shri Naresh Bothra prominent member exporter from jodhpur during 2nd Edition of Handicrafts Expo (Artefacts)-2026 at TFC, Jodhpur.

Photo 3, 4 & 5: Live Rajasthani Folk Cultural, Musical Performance by the popular local band, MO HIT and Ramp Show by Footwear Design & Development Institute (FDDI) during 2nd Edition of Handicrafts Expo (Artefacts)-2026 at TFC, Jodhpur.

Photo 6 & 7: Visitors transacting business during 2nd Edition of Handicrafts Expo (Artefacts)-2026 at TFC, Jodhpur.